भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 2747

सोमवार, 17 मार्च, 2025/26 फाल्गुन, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

मिथिला क्षेत्र का विकास

2747. श्री गोपाल जी ठाकुर:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या दरभंगा सहित मिथिला क्षेत्र में दर्जनों ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल ऐसे हैं जिनका संरक्षण, संवर्धन किए जाने और उन्हें पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित किए जाने की संभावना है;

(ख) क्या सरकार की मिथिला में प्रमुख ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों को मिथिला सर्किट के रूप में विकसित करने की योजना है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): ऐतिहासिक और धार्मिक पर्यटन सहित पर्यटक गंतव्यों और उत्पादों का विकास एवं संवर्धन संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय विभिन्न योजनाओं और पहलों के माध्यम से मिथिला क्षेत्र में ऐतिहासिक और धार्मिक पर्यटन सहित देश के विभिन्न पर्यटन उत्पादों का विकास और संवर्धन करके राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के प्रयासों को संपूरित करता है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा प्रदत्त सूचनानुसार, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पटना मंडल के क्षेत्राधिकार में राजा बलि का गढ़, बलिराजगढ़, जिला-मधुबनी नामक एक केन्द्रीय संरक्षित स्मारक है, जिसका संरक्षण और अनुरक्षण इस कार्यालय द्वारा आवश्यकता और निधि की उपलब्धता के अनुसार किया जाता है। इसके अलावा, दो राज्य संरक्षित स्मारक - अहिल्या स्थान, जिला-दरभंगा और हरेश्वरनाथ मंदिर, द्वारका, जिला - मधुबनी की भी राज्य पुरातत्व विभाग, बिहार सरकार द्वारा देख-रेख की जाती है।

पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन', 'राष्ट्रीय तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान मिशन (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता'

की योजनाओं के तहत बिहार और झारखंड सहित देश में विभिन्न पर्यटन गंतव्यों पर पर्यटन संबंधी अवसंरचना और सुविधाओं के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

भारत सरकार ने चालू वित्त वर्ष, यानी वर्ष 2024-25 के दौरान 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का विकास' नामक योजना के तहत बिहार और झारखंड सहित देश भर में 40 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। सहरसा में मत्स्यगंधा झील के विकास की परियोजना के लिए 97.61 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

बिहार और झारखंड में उपर्युक्त योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

इस समय मिथिला में प्रमुख ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों को 'मिथिला परिपथ' के रूप में विकसित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए समय-समय पर राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों से प्रस्ताव प्राप्त होते हैं। इन प्रस्तावों को निर्धारित प्रावधानों के पूर्ण होने एवं निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन परियोजनाओं का रूप दिया जाता है।

*****

अनुबंध

श्री गोपाल जी ठाकुर द्वारा मिथिला क्षेत्र के विकास के संबंध में दिनांक 17.03.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या 2747 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

(i). बिहार और झारखंड राज्यों में स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची निम्नानुसार है:

राशि (करोड़ रु. में)

क्र.सं.	**राज्य/संघ राज्यक्षेत्र**	**परिपथ/स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1.	बिहार	तीर्थंकर परिपथ 2016-17	वैशाली - आरा - मसाद - पटना - राजगीर - पावापुरी - चंपापुरी का विकास	33.96
2.	बिहार	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	कांवरिया मार्ग: सुल्तानगंज - धर्मशाला - देवघर का विकास	44.76
3.	बिहार	बौद्ध परिपथ 2016-17	बौद्ध परिपथ का विकास - बोधगया में कन्वेंशन सेंटर का निर्माण	95.18
4.	बिहार	ग्रामीण परिपथ 2017-18	भितिहरवा - चंद्रिया - तुरकौलिया का विकास	44.27
5.	बिहार	आध्यात्मिक परिपथ 2017-18	मंदार हिल और अंग प्रदेश का विकास	44.55
6.	झारखंड	इको परिपथ 2018-19	इको पर्यटन परिपथ: दलमा - बेतला नेशनल पार्क - मिरचैया - नेतरहाट का विकास	30.44

(ii). पर्यटन मंत्रालय की प्रशाद योजना के तहत बिहार और झारखंड में स्वीकृत परियोजनाओं की सूची इस प्रकार है:

राशि (करोड़ रु. में)

क्र.सं.	**राज्य/संघ राज्यक्षेत्र**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**अनुमोदित लागत**
1.	बिहार	पटना साहिब में विकास	2015-16	29.62
2.	बिहार	विष्णुपद मंदिर में मूलभूत सुविधाओं का विकास	2014-15	3.63

3.	झारखंड	बाबा बैद्यनाथ धाम का विकास	2018-19	36.79

(iii). केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता की योजना के तहत बिहार में स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

क्र.सं.	परियोजना का नाम	राज्य	एजेंसी	स्वीकृति की तिथि	स्वीकृत राशि (लाख रु. में)
1.	बक्सर, बिहार में एक्वा स्क्रीन प्रोजेक्शन और साउंड शो के साथ 3 डी मैपिंग और राम रेखा घाट, बिहार में डायनामिक लाइटिंग और मोटिफ	बिहार	बीईसीआईएल	10-06-2024	599.96

(iv). पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई योजना) के तहत बिहार और झारखंड में स्वीकृत परियोजनाओं की सूची निम्नानुसार हैः

राशि (करोड़ रु. में)

क्र.सं.	राज्य	परियोजना का नाम	स्वीकृत लागत
1.	बिहार	सहरसा में मत्स्यगंधा झील का विकास	97.61
2.	बिहार	करमचट में करमचट इको-पर्यटन और एडवेंचर हब	49.51
3.	झारखंड	कोडरमा में तिलैया का इको-पर्यटन विकास	34.87

*****